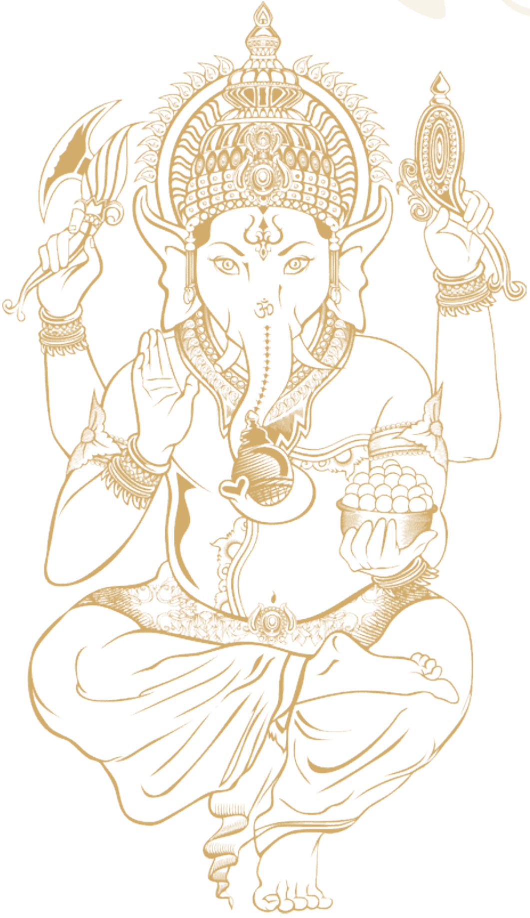

Kaushal

Neha Kothari

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121843901

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
5-06/02/2001	जन्म तिथि	24/07/1999
सोम-मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 02:00:00	जन्म समय	10:45:00 घंटे
घटी 48:06:23	जन्म समय(घटी)	11:44:06 घटी
India	देश	India
Bangalore	स्थान	Bangalore
13:00:00 उत्तर	अक्षांश	13:00:00 उत्तर
77:35:00 पूर्व	रेखांश	77:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:40	स्थानिक संस्कार	-00:19:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:45:26	सूर्योदय	06:03:21
18:22:24	सूर्यास्त	18:48:40
23:52:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:51
वृश्चिक	लग्न	कन्या
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मिथुन	राशि	वृश्चिक
बुध	राशि-स्वामी	मंगल
आर्द्रा	नक्षत्र	ज्येष्ठा
राहु	नक्षत्र स्वामी	बुध
4	चरण	1
विष्कुम्भ	योग	ब्रह्म
कौलव	करण	बव
छ-छत्रपति	जन्म नामाक्षर	नो-नोनी
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	कीटक
श्वान	योनि	मृग
मनुष्य	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 1वर्ष 9मा 4दि		13:48:37	वृश्चि	लग्न	कन्या	13:53:56	बुध 13वर्ष 8मा 15दि	
शनि		23:14:39	मक	सूर्य	कर्क	07:02:53	शुक्र	
12/11/2018		18:41:37	मिथु	चंद्र	वृश्चि	19:14:50	08/04/2020	
11/11/2037		01:20:42	वृश्चि	मंगल	तुला	13:46:02	08/04/2040	
शनि	14/11/2021	06:32:12	कुंभ व	बुध व	कर्क	11:06:35	शुक्र	09/08/2023
बुध	25/07/2024	07:32:42	वृष	गुरु	मेष	09:31:00	सूर्य	08/08/2024
केतु	02/09/2025	08:42:38	मीन	शुक्र	सिंह	10:38:38	चन्द्र	09/04/2026
शुक्र	02/11/2028	00:19:26	वृष	शनि	मेष	22:09:56	मंगल	09/06/2027
सूर्य	15/10/2029	21:21:52	मिथु	राहु व	कर्क	19:09:31	राहु	09/06/2030
चन्द्र	16/05/2031	21:21:52	धनु	केतु व	मक	19:09:31	गुरु	07/02/2033
मंगल	24/06/2032	26:44:13	मक	हर्ष व	मक	21:32:27	शनि	08/04/2036
राहु	01/05/2035	12:47:45	मक	नेप व	मक	09:11:14	बुध	07/02/2039
गुरु	11/11/2037	20:57:27	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:04:04	केतु	08/04/2040

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:52:05 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:51

लग्न-चलित

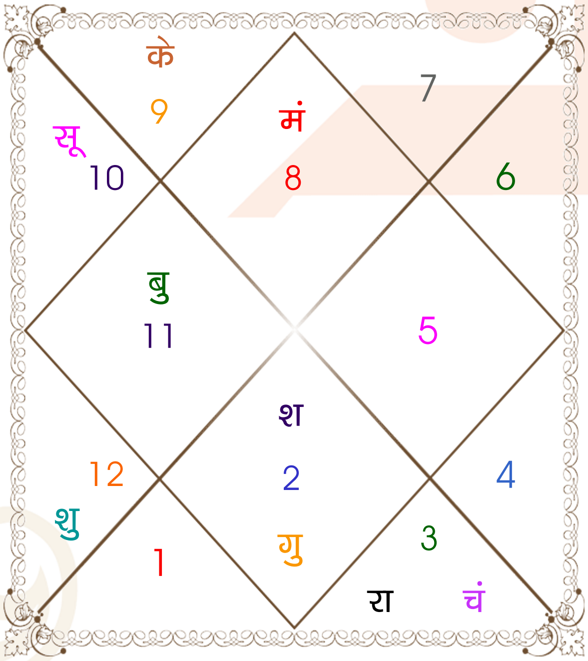

लग्न-चलित

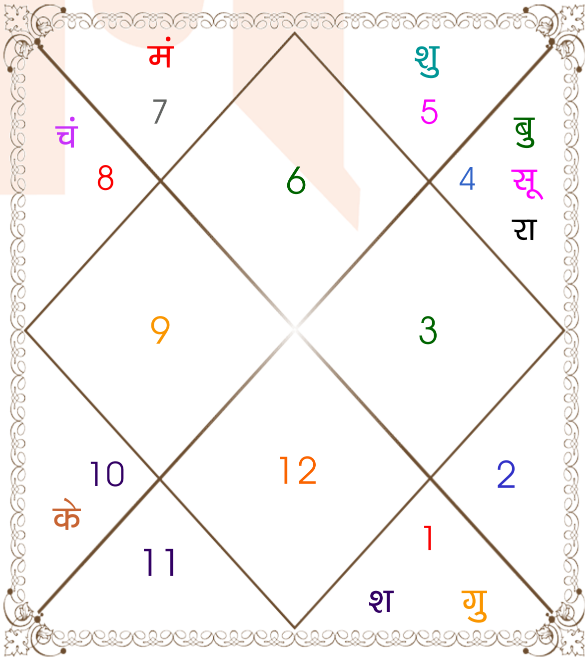

FUTUREPOINT Astro Solutions

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मृग	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	3.00		

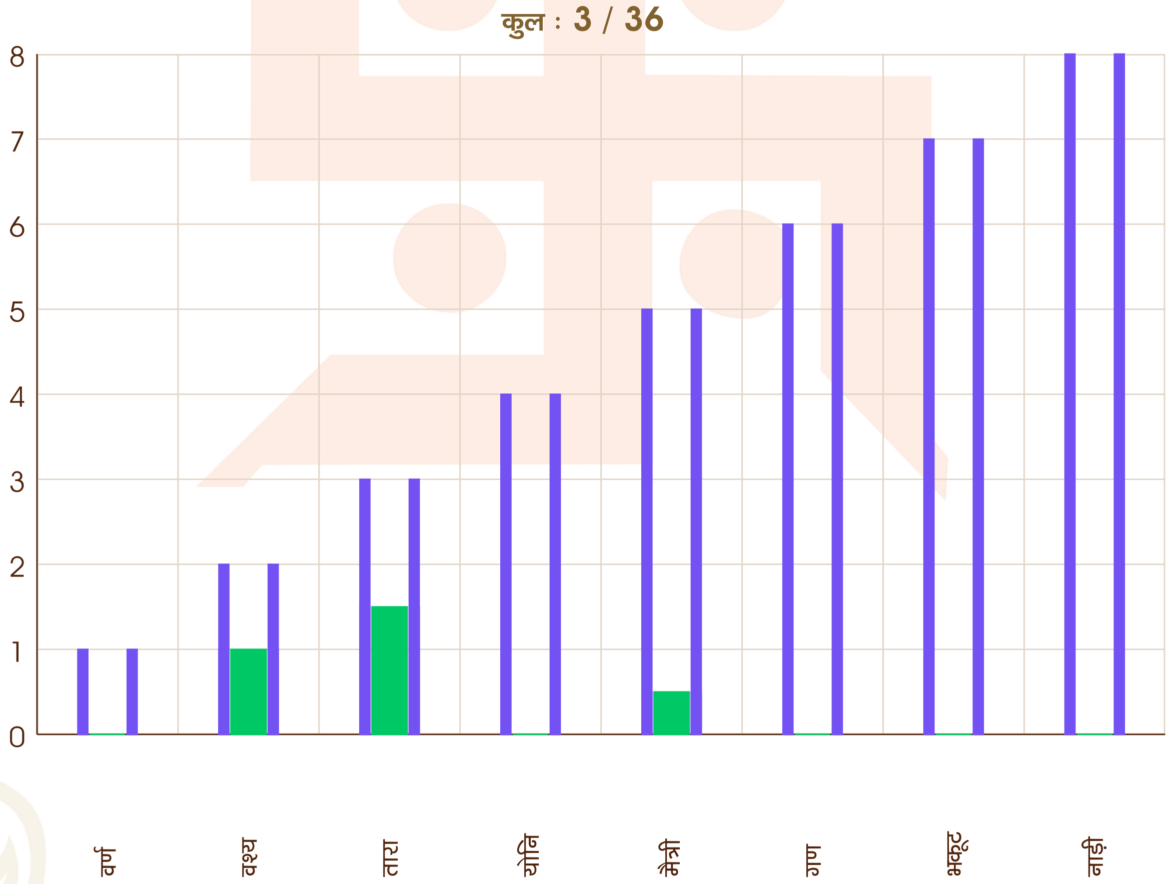

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि झंर्नीस का नक्षत्र आर्द्रा है।

झंर्नीस का वर्ग सिंह है तथा छर्मी झवजींतप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार झंर्नीस और छर्मी झवजींतप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

झंर्नीस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढष्;डडम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल झंर्नीस कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

छर्मी झवजींतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु छर्मी झवजींतप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

झंर्नीस तथा छर्मी झवजींतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

झंर्नीस का वर्ण शूद्र है तथा छर्मी झवर्जीतप का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि छर्मी झवर्जीतप का वर्ण झंर्नीस के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। छर्मी झवर्जीतप हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही झंर्नीस के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

झंर्नीस का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं छर्मी झवर्जीतप का वश्य कीट है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। फलस्वरूप झंर्नीस एवं छर्मी झवर्जीतप दोनों के बीच हितों का टकराव होता रहेगा साथ ही दोनों के बीच आपसी सहयोग, समझ एवं सामंजस्य का पूर्णतः अभाव बना रहेगा। कभी-कभी दोनों एक-दूसरे के शत्रु भी बन सकते हैं जिससे प्रगति एवं समृद्धि बाधित होती है। दोनों के बीच घमासान चलता रहेगा तथा तनाव एवं संदेह का माहौल कायम हो सकता है।

तारा

झंर्नीस की तारा वध तथा छर्मी झवर्जीतप की तारा क्षेम है। झंर्नीस की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। झंर्नीस बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। झंर्नीस को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु छर्मी झवर्जीतप लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

झंर्नीस की योनि श्वान है तथा छर्मी झवर्जीतप की योनि मृग है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में झंर्नीस का राशि स्वामी छर्मी झवर्जीतप के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि छर्मी झवर्जीतप का राशि स्वामी झंर्नीस के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

झंर्नीस का गण मनुष्य तथा छर्मी झवर्जीतप का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः छर्मी झवर्जीतप का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण झंर्नीस एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

झंर्नीस से छर्मी झवर्जीतप की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा छर्मी झवर्जीतप से झंर्नीस की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण झंर्नीस लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। छर्मी झवर्जीतप को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

झंर्नीस की नाड़ी आद्य है तथा छर्मी झवर्जीतप की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। झंर्नीस एवं छर्मी झवर्जीतप दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

झंर्नीस की जन्मराशि वायुतत्व युक्त मिथुन तथा छर्मी झवर्जीतप की राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक है। नैसर्गिक रूप से वायु एवं जलतत्व में शत्रुता तथा असमानता का भाव रहता है। अतः झंर्नीस और छर्मी झवर्जीतप के मध्य स्वभावगत असमानता रहेगी तथा आपसी मतभेद एवं विवाद उत्पन होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में न्यूनता रहेगी। अतः मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

झंर्नीस की राशि का स्वामी बुध तथा छर्मी झवर्जीतप की राशि का स्वामी मंगल परस्पर शत्रु एवं सम है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति सुखद नहीं कहीं जा सकती है। ऐसी स्थिति में झंर्नीस और छर्मी झवर्जीतप एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा दोषों पर अधिक ध्यान देंगे जिससे संबधों की कटुता में वृद्धि होगी। अतः यदि किंचित बुद्धिमता पूर्वक स्थितियों का झंर्नीस और छर्मी झवर्जीतप अवलोकन करें तो उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता हो सकती है।

झंर्नीस और छर्मी झवर्जीतप की जन्म राशियां परस्पर षडाष्टक योग बनाती हैं। यह शास्त्रानुसार प्रबल भकूट दोष होता है। इसके प्रभाव से झंर्नीस और छर्मी झवर्जीतप के मध्य मतभेदों में प्रबलता होगी तथा समय समय पर विवाद आदि होते रहेंगे यहां तक कि आपस में बदले की भावनाओं का भी प्रादुर्भाव हो सकता है जिससे प्रेम संबधों की मधुरता में कटुता का भाव रहेगा तथा साथ रहने के अवसर न्यून हो जाएंगे।

झंर्नीस का वश्य मानव तथा छर्मी झवर्जीतप का वश्य कीट है। कीट तथा मानव में नैसर्गिक असमानता तथा शत्रुता होती है। अतः झंर्नीस और छर्मी झवर्जीतप की अभिरूचियों में असमानता रहेगी। साथ ही मानसिक भावनात्मक एवं शारीरिक आवश्यकताओं में अंतर भी विद्य मान रहेगा फलतः दाम्पत्य जीवन में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे।

झंर्नीस का वर्ण शूद्र तथा छर्मी झवर्जीतप का वर्ण ब्राहमण है। अतः दोनों की कार्य क्षमताओं में भी असमानता रहेगी। झंर्नीस किसी भी कार्य को परिश्रम एवं गंभीरता से करने के लिए तत्पर रहेंगे परन्तु छर्मी झवर्जीतप केवल शैक्षणिक क्षेत्र, शास्त्रीय तथा धार्मिक कार्य कलापों को करने की इच्छा रहेगी। अतः झंर्नीस और छर्मी झवर्जीतप के कार्य क्षेत्र में भी असमानता रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में सुख का अभाव रहेगा।

धन

झंर्नीस और छर्मी झवर्जीतप दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार

उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

झंर्नीस और छर्मी झवर्जीतप दोनों ही आद्य नाड़ी में हुए है। यद्यपि सामान्य रूप से यह नाड़ी दोष बनता है जिससे इनका स्वास्थ्य खराब हो सकता है परन्तु इनका जन्म अलग अलग नक्षत्रों में हुआ है तथा इनकी राशि का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः इससे नाड़ी दोष समाप्त हो जाता है परन्तु छर्मी झवर्जीतप के स्वास्थ्य पर मंगल का दुष्प्रभाव होगा तथा साथ ही मासिक धर्म संबंधी अनियमिता से भी वे कष्ट की प्राप्ति करेंगी। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को कम करने के लिए छर्मी झवर्जीतप को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी करने चाहिए।

संतान

संतति के दृष्टिकोण से झंर्नीस और छर्मी झवर्जीतप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य भी पर्याप्त अंतर रहेगा फलतः उनका उचित पालन पोषण का अवसर प्राप्त होगा परन्तु इनकी कन्या संतति पुत्र संतति से अधिक संख्या में उत्पन्न होगी।

छर्मी झवर्जीतप का प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा उसमें किसी प्रकार की अतिरिक्त परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा तथापि सावधानी वश छर्मी झवर्जीतप नियमित रूप से डाक्टरी परीक्षण इत्यादि समय समय पर करवाती रहें। इससे गर्भावस्था का समय सामान्य रहेगा तथा प्रसव काल में बिना किसी समस्या के सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी।

झंर्नीस और छर्मी झवर्जीतप बच्चों की व्यवहार कुशलता तथा बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे भी अपनी योग्यता से अपने क्षेत्र में निरंतर उन्नति मार्ग पर अग्रसर होंगे। उनके सदगुणों से अन्य सामाजिक जन भी प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे झंर्नीस और छर्मी झवर्जीतप अपने बच्चों की श्रद्धा तथा आज्ञाकारी भाव से गौरवान्वित। होंगे। साथ ही बच्चे भी माता पिता की आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे। इससे झंर्नीस और छर्मी झवर्जीतप का पारिवारिक जीवन सुख शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

छर्मी झवर्जीतप के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि छर्मी झवर्जीतप धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से छर्मी झवर्जीतप के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी छर्मी झवर्जीतप का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी छर्मी झवर्जीतप से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

झंर्नीस की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। झंर्नीस सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही झंर्नीस का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी झंर्नीस के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। झंर्नीस भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण झंर्नीस के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।